

# भारत की स्थानीय आबादी पर इकोटूरिज्म के विकास के आर्थिक प्रभाव

डॉ. अनु अरोड़ा, सहायक प्रोफेसर (भूगोल), कला/शिल्प और सामाजिक विज्ञान संकाय,  
टांटियाँ विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान, भारत

श्री अनिल कुमार, शोधार्थी (भूगोल), कला/शिल्प और सामाजिक विज्ञान संकाय, टांटियाँ  
विश्वविद्यालय, श्री गंगानगर, राजस्थान, भारत

## 1. सार

इकोटूरिज्म पर्यटन उद्योग के सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में से एक है। यह पर्यटकों का मनोरंजन इस तरीके से करता है जिससे दुनिया के प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। यह वन्यजीवों और प्राकृतिक आवासों के संरक्षण को बढ़ावा देता है, ताकि भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह सुनिश्चित किया जा सके। पर्यटन गाइडों के अलावा, विभिन्न स्थानीय व्यवसायों को भी इकोटूरिज्म से लाभ हुआ है। कारीगर, गेस्ट हाउस मालिक और रेस्टोरेंट संचालक ऐसी सेवाएं प्रदान करते हैं जो पर्यटकों को स्थानीय विशेषताओं की खोज में मदद करती हैं। वास्तव में, शिक्षा और जागरूकता इकोटूरिज्म के सच्चे लाभ हो सकते हैं और सबसे स्थायी प्रभाव छोड़ सकते हैं। इकोटूरिस्ट, जो लोग प्रकृति के निकट रहते हैं, उनसे मिलकर स्वयं भी सरल जीवन जीना सीख सकते हैं। इस बीच, स्थानीय लोग धन और अपनी शिक्षा जारी रखने की क्षमता प्राप्त करते हैं, जिससे उन्हें पर्यावरण जैसे वैश्विक मुद्दों की बेहतर समझ मिलती है।

## 2. परिचय

भारत पारिस्थितिक पर्यटन के लिए एक आदर्श गंतव्य है क्योंकि यह भौगोलिक विविधताओं और प्राकृतिक सुंदरता की धरती है, जो पर्यटकों को तनावमुक्त होने और नई ऊर्जा और दृष्टिकोण से भर जाने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है। भारत में पारिस्थितिक पर्यटन

का आंदोलन तेजी पकड़ रहा है क्योंकि अधिक से अधिक यात्रा-संबंधी संगठन पारिस्थितिक पर्यटन की आवश्यकता को समझ रहे हैं और इसे बढ़ावा दे रहे हैं (**भट्ट और सईद, 2008**)। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि पर्यटक अपनी यात्राओं को पर्यावरण के अनुकूल बनाएं और पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाएं। नागरिक समाज और कई गैर-सरकारी संस्थाएं विनाशकारी प्रथाओं के प्रति जागरूकता पैदा कर रही हैं।

### **3. पर्यावरणीय पर्यटन का उदय**

इकोटूरिज्म, जो कि समग्र पर्यटन क्षेत्र का एक बहुत छोटा हिस्सा है, सबसे तेजी से बढ़ने वाले क्षेत्रों में से एक है। 1996 में, विश्व पर्यटन संगठन ने पर्यटन आय में 86 प्रतिशत की वृद्धि की भविष्यवाणी की थी, जिसमें से अधिकांश आय कार्रवाई, साहसिक, प्रकृति और संस्कृति से संबंधित यात्रा से आएगी (**शेवेन 1999**)। इकोटूरिज्म के मूल सिद्धांतों की शुरुआत 1960 में हुई थी। इसके बाद, 1970 और 1980 के दशकों में ईको-विकास आंदोलन के माध्यम से इकोटूरिज्म शब्द को महत्वपूर्णता मिली (**प्राइस, 2003**)। अंतिम सिद्धांत, जिसका इकोटूरिज्म को पालन करना चाहिए, शिक्षा का है और इसलिए गाइड्स को संरक्षण से संबंधित मुद्दों की जानकारी दी जानी चाहिए और उन्हें इकोटूरिज्म शिष्टाचार के बारे में ठीक से सूचित किया जाना चाहिए। **सिल्वा और मैक डिल (2004)** ने बताया कि इकोटूरिज्म अक्सर नामित संरक्षित क्षेत्रों या राष्ट्रीय उद्यानों में पाया जाता है, जो आदिवासी आबादी पर लागू हो सकते हैं। **डोनोहो और नीधम (2006)** ने पर्यटन विकास में शामिल अवसरों (लाभ) और खतरों (जोखिम) का आकलन किया। शारपली (2006) ने देखा कि इकोटूरिज्म दुनिया के सबसे बड़े उद्योग का सबसे तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र है और यह आय और रोजगार के वैकल्पिक स्रोत प्रदान करता है। **नवाब अली खान (2004)** ने पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके प्रतिकूल प्रभाव को बताया। **करुणाकरण (2017)** ने इकोटूरिज्म के पक्ष में तर्कों की समीक्षा की और संरक्षण तत्वों को सही ठहराया। इस प्रकार इकोटूरिज्म रोजगार के अवसर, अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यवसाय एवं व्यक्तिगत वर्ग के लिए आय सुनिश्चित करता है (**तालिका 1**)। यह आर्थिक

आधार को विस्तृत करता है, उद्यमशील गतिविधियों को प्रोत्साहित करता है और स्थानीय लोगों में इको-पर्यटन स्थलों के महत्व की समझ को बढ़ाता है।

**तालिका 1: भारत में पर्यटन से विदेशी मुद्रा प्राप्ति (1999–2018)**

वर्ष	शुल्क, रुपये में (करोड़)	पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत (%) परिवर्तन
1999	12959	6.6
2000	15629	20.7
2001	15083	-3.5
2002	15064	-0.1
2003	20729	37.6
2004	27944	34.8
2005	33123	18.5
2006	39025	17.8
2007	44360	3.7
2008	51294	15.6
2009	53700	4.7
2010	64889	20.8
2011	77591	19.6
2012	94487	21.8
2013	107671	14.0
2014	123320	14.5
2015	135193	9.6
2016	73065	14.1

2017	89225	8.2
2018	109758	13.4
स्रोत: भारतीय रिज़र्व बैंक।		

#### **4. इकोटूरिज़्म के पर्यावरणीय प्रभाव**

इंटरनेशनल इकोटूरिज़्म सोसाइटी (TIES) इकोटूरिज़्म को इस प्रकार परिभाषित करती है "प्राकृतिक क्षेत्रों की जिम्मेदार यात्रा जो पर्यावरण का संरक्षण करती है और स्थानीय लोगों की भलाई को बनाए रखती है" (भारत सरकार, 2016)। इसे एक और दृष्टिकोण से देखना भी बहुत महत्वपूर्ण है। स्थानीय समुदायों के लिए इसके वित्तीय लाभों के कारण, इकोटूरिज़्म को दूरदराज़ क्षेत्रों में अन्य गतिविधियों का विकल्प माना जा सकता है, जो अक्सर बहुत अधिक विनाशकारी होती हैं। इकोटूरिज़्म सिर्फ प्रकृति प्रेमी यात्रा और मनोरंजन का एक लोकप्रिय शब्द नहीं है। यह दुनिया के प्राकृतिक और सांस्कृतिक वातावरण की विविधता को संरक्षित करने और बनाए रखने पर केंद्रित है (डोनोहो और नीडहैम, 2006)। इको-टूरिज़्म विकास का नकारात्मक प्रभावरूप इको-टूरिज़्म आमतौर पर तीसरी दुनिया के समुदायों के विकास के अवसरों की कीमत पर पर्यावरण संरक्षण की ओर झुकाव रखता है। इको सिस्टम में स्थित इको-टूरिज़्म परियोजनाएँ पर्यावरण के विकास में सबसे बड़ी बाधा बनती हैं। विभिन्न समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा सामाजिक असामंजस्य को जन्म देती है। मानव द्वारा संसाधनों का बढ़ता उपयोग, चाहे वह सबसे छोटे पैमाने पर ही क्यों न हो, पर्यावरण के लिए समस्या पैदा करता है। उत्पादन अपशिष्ट और प्रवाहित प्रदूषण भी बढ़ रहे हैं।

#### **5. इकोटूरिज़्म में भागीदारी के लिए प्रेरणा**

भारत में होटल और यात्रा कंपनियां अपेक्षाकृत स्वतंत्र वातावरण में कार्य करती हैं। देश धीरे-धीरे लेकिन लगातार उस बाजार अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है जहाँ वाणिज्यिक विचार निजी क्षेत्र को विभिन्न गतिविधियों को अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। पर्यावरण

की सुरक्षा के लिए जागरूकता फैलाना, कानून बनाना, नीतियाँ और प्रशासनिक कार्रवाई करना आवश्यक है। यात्रा करने वाला जनसमूह भी पर्यावरण की सुरक्षा की आवश्यकता के प्रति, कम से कम कुछ हद तक, सजग हो रहा है। इसके परिणामस्वरूप, आतिथ्य क्षेत्र की कई कंपनियों ने ऊर्जा और पानी की बचत करने तथा अप्रयुक्त होटल उत्पादों को पुनर्चक्रित करने जैसी पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपनाया है। सरकार ने डिफॉल्टर्स से निपटने के लिए संस्थान भी स्थापित किए हैं।

## **6. असंसदीय संगठन और अनुसंधान संस्थान**

एनजीओ, वैज्ञानिक और अनुसंधान संस्थान भारत में इकोटूरिज्म संसाधनों के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें पर्यटन विकास के लिए उचित इको-प्रथाओं के महत्व के बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए। इसके अलावा, स्थानीय समुदायों को सतत इकोटूरिज्म गतिविधियों में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रेरित करना चाहिए; साथ ही स्थानीय लोगों को इकोटूरिज्म से संबंधित गतिविधियों के लिए तैयार करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करने चाहिए।

## **7. निष्कर्ष**

पर्यटन संसाधनों की उपलब्धता को कम नहीं करता और भविष्य के यात्रियों को समान अनुभवों का आनंद लेने से नहीं रोकता। इसलिए, विकासशील क्षेत्रों में गरीबी को कम करने के सफल कार्यान्वयन के लिए और उम्मीदवाली अवसरों के साथ इकोटूरिज्म संरचना को रिसाव कम करके बेहतर बनाया जा सकता है।

## **संदर्भ**

- 1) भट्ट एस और सैयद एल (2008), भारत में इकोटूरिज्म का विकास – समुदाय, पूंजी और संरक्षण, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस इंडिया प्रा. लि., नई दिल्ली।
- 2) डोनोहो एच और नीडहम आर (2006), "इकोटूरिज्म: विकसित होता समकालीन परिभाषा", जर्नल ऑफ़ इकोटूरिज्म, 5: 192–210।

- 3) डोनोहो एच और नीडहम आर (2006), "इकोटूरिज्म: विकसित होता समकालीन परिभाषा", जर्नल ऑफ़ इकोटूरिज्म, 5: 192–210।
- 4) भारत सरकार (2016), पर्यावरण प्रभाव आकलन, पर्यावरण और वन मंत्रालय।
- 5) करुणाकरण एन (2017), "केरल में पर्यटन के आर्थिक लाभ", AJADAD जर्नल, 17 (2): 31–36।
- 6) नवाब अली खान (2004), "भारत में पर्यटन उद्योग के उभरते रुझान", जर्नल ऑफ़ इकोटूरिज्म, 3 (2): 51–58।
- 7) नाग, ए. (2013). हिमाचल प्रदेश के पर्यटन उद्योग का अध्ययन, विशेष रूप से पारिस्थितिकी तंत्र पर संदर्भ, एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ़ मार्केटिंग एंड मैनेजमेंट रिव्यू, 2(4), 89–106।
- 8) पिकार्ड, डी (2015). इकोटूरिज्म को टिकाऊ बनाना आर्थिक क्षमता पर पुनः ध्यान केंद्रित करना। शसाउथ वेस्टर्न इंडियन ओशन में तटीय इकोटूरिज्म विकास के लिए क्षेत्रीय रणनीतिक कार्य योजना से सीखे गए पाठ, जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल टूरिज्म।
- 9) प्राइस जी (2003), "इकोटूरिज्म ऑपरेटर्स और पर्यावरण शिक्षा: पर्यावरणीय शिक्षण अनुभवों का विज्ञापन करके प्रतिस्पर्धात्मक लाभ बढ़ाना", टूरिज्म एनालिसिस, 8: 143–147।
- 10) शेइवन आर (1999), "इकोटूरिज्म और स्थानीय समुदायों के सशक्तिकरण", टूरिज्म मैनेजमेंट, 20: 245–249.
- 11) सिंह, जे और मुंजाल, एस (2015). सतत इको-टूरिज्मरू भारत – आंध्र प्रदेश का एक केस स्टडी।
- 12) शार्पली आर (2006), "इकोटूरिज्म: एक उपभोग दृष्टिकोण", जर्नल ऑफ़ इकोटूरिज्म, 5रू 7–22.

13) सिल्वा जी और मैक डिल एम (2004), "इकोटूरिज्म सप्लायर की सफलता में बाधाएँ: एजेंसी और व्यवसायिक दृष्टिकोण की तुलना", *जर्नल ऑफ़ सस्टेनेबल टूरिज्म*, 12: 289–305.

14) तिवारी, टी और अब्रोल, ए (2015). इकोटूरिज्म पर एक शोध पत्र – भारत में इसकी स्थिरता, *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ़ कॉमर्स आर्ट्स एंड साइंस*, 6(9), 21–28